vinetur

2026 की पहली छमाही में वैश्विक वाइन व्यापार मात्रा के हिसाब से 8.3% गिरा

औसत कीमतों में बढ़ोतरी ने निर्यात मूल्य में गिरावट को कुछ हद तक थामा, लेकिन कमजोर मांग ने बल्क वाइन पर सबसे ज्यादा दबाव बनाए रखा।

शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026



ग्लोबल वाइन और ग्रेप मस्ट व्यापार 2026 की पहली छमाही में फिर कमजोर पड़ा, जिसमें शिपमेंट एक साल पहले की तुलना में मात्रा के हिसाब से 8.3% और मूल्य के हिसाब से 5.2% घट गया, यह जानकारी 30 सितंबर को EU Wine Observatory की शरद बैठक में Del Rey Analysts of Wine Markets द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से मिली।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि बाजार सीमाओं के पार कम वाइन भेज रहा है, जबकि पिछले साल के आखिर में दिखे तेज दबाव से कीमतें धीरे-धीरे संभलने लगी हैं। Del Rey AWM ने कहा कि मात्रा के मुकाबले मूल्य में कम गिरावट औसत कीमतों में सुधार को दर्शाती है, जिससे लगता है कि 2026 मजबूत मांग की वापसी से ज्यादा, कीमतों के स्थिरीकरण का वर्ष बन रहा है।

यह गिरावट कई कारणों के एक साथ असर से जुड़ी रही। Del Rey AWM ने कहा कि अधिकांश उत्पादक देशों में छोटी फसल ने बल्क उपलब्धता घटाई, जबकि ऊंची कीमतों और कमजोर खपत ने खरीद को सीमित किया। इस संयोजन ने यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार, कनाडा से अमेरिका को होने वाले निर्यात और चिली व न्यूज़ीलैंड जैसे दूरस्थ आपूर्तिकर्ताओं से प्रमुख आयातक बाज़ारों में होने वाले शिपमेंट पर दबाव डाला।

बल्क वाइन पर अन्य श्रेणियों की तुलना में ज्यादा चोट पड़ी। स्रोत ने कहा कि बल्क शिपमेंट और बल्क राजस्व में कमी, गिरावट का केंद्रीय हिस्सा थी, जो इस बात का संकेत है कि इन्वेंट्री प्रबंधन, औद्योगिक ब्लेंडिंग और मूल्य प्रतिस्पर्धा के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील खंड में खरीदार अधिक सतर्क रहे हैं। व्यापक पेय कारोबार में निर्यातकों, आयातकों और वितरकों के लिए इसका मतलब तंग मार्जिन और धीमा टर्नओवर हो सकता है, भले ही औसत कीमतें गिरना बंद कर दें, खासकर लंबी दूरी वाले मार्गों और कम कीमत वाले प्रारूपों में।

बोतलबंद वाइन में भी गिरावट दर्ज हुई, और स्पार्कलिंग वाइन की तुलना में यह ज्यादा रही। Del Rey AWM ने कहा कि नॉन-स्पार्कलिंग बोतलबंद वाइन ने गिरावट का नेतृत्व किया, जबकि स्पार्कलिंग वाइन ने छह महीनों की अवधि में औसत कीमतों में सुधार के कारण मूल्य के लिहाज से कुछ वृद्धि हासिल की। लंबे समय के परिप्रेक्ष्य में, फर्म ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में स्पार्कलिंग वाइन ने अन्य वाइन श्रेणियों की तुलना में स्पष्ट रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पहली छमाही के आंकड़े क्षेत्र के लिए पहले से ही कठिन दौर के बाद आए हैं। Del Rey AWM पहले ही रिपोर्ट कर चुका था कि 2025 की दूसरी छमाही में वैश्विक वाइन व्यापार बिगड़ा था, जिसमें उस छह-माही अवधि में मूल्य 9.9% और मात्रा 5.3% घट गई थी। उस पहले चरण में, फर्म ने कीमतों में गिरावट के बड़े हिस्से को अमेरिकी टैरिफ बढ़ने के बाद बाजार की प्रतिक्रिया से जोड़ा था, खासकर फ्रांसीसी वाइन के लिए, साथ ही व्यापक भू-राजनीतिक, वाणिज्यिक और मांग संबंधी अनिश्चितता से। अपनी नवीनतम समीक्षा में, Del Rey AWM ने कहा कि उस मूल्य झटके का कुछ हिस्सा अब कम होता दिख रहा है, लेकिन मांग इतनी नहीं सुधरी है कि व्यापारिक मात्रा को सहारा मिल सके।

पूरे 2025 ने पहले ही एक कमजोर आधार तैयार कर दिया था। Del Rey AWM द्वारा विश्लेषित आधिकारिक कस्टम्स डेटा के आधार पर, पिछले वर्ष वैश्विक वाइन निर्यात मूल्य के हिसाब से 6.3% और मात्रा के हिसाब से 4.7% गिरा, जिससे कुल बिक्री €33.77 बिलियन और शिपमेंट 94.76 मिलियन हेक्टोलिटर पर आ गए। प्रति लीटर औसत कीमत भी 2024 की तुलना में 1.7% घटी। 2025 में हर प्रमुख श्रेणी में गिरावट दर्ज हुई, जिसमें नॉन-स्पार्कलिंग बोतलबंद वाइन में सबसे बड़ी गिरावट रही, उसके बाद स्पार्कलिंग और बल्क रहे। बैग-इन-बॉक्स वाइन कुछ अधिक स्थिर साबित हुई, जिसमें मूल्य में 2% की गिरावट आई।

इसलिए 2026 की पहली छमाही के आंकड़े दिखाते हैं कि बाजार ने अभी तक दिशा नहीं बदली है। व्यापारित मात्रा में गिरावट 2025 में देखी गई पूरे साल की गिरावट से भी तेज हो गई है, जबकि मूल्य अब उतनी तेजी से नहीं गिर रहे। यह पैटर्न आम तौर पर ऐसे बाजार का संकेत देता है जहां उत्पादकों को कीमतों से कुछ सहारा मिल रहा है, लेकिन ग्राहक कम खरीद रहे हैं।

छह प्रमुख न्यू वर्ल्ड वाइन उत्पादकों पर Del Rey AWM के अलग आंकड़े भी वर्ष की पहली छमाही में ऐसी ही तस्वीर दिखाते हैं। न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, चिली और संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिलकर यूरो में निर्यात मूल्य में 8.2% की गिरावट दर्ज की, जो €2.6 बिलियन रह गया। इन देशों से निर्यात मात्रा 6.3% घटकर 10.6 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई, जबकि औसत निर्यात मूल्य 2% गिरकर €2.47 प्रति लीटर हो गया।

इन उत्पादकों में दक्षिण अफ्रीका ही ऐसा देश था जिसने मूल्य और मात्रा, दोनों में वृद्धि दर्ज की, Del Rey AWM के अनुसार। उसके वाइन निर्यात मूल्य में 6.2% की बढ़ोतरी होकर यह €280 मिलियन पर पहुंचा, जबकि मात्रा 144 मिलियन लीटर तक बढ़ी। अर्जेंटीना में मात्रा 12% बढ़ी, लेकिन औसत कीमतों में 12.6% की गिरावट ने उस लाभ को पूरी तरह से पछाड़ दिया, जिससे निर्यात राजस्व 2.1% घट गया।

यह कमजोरी सभी बाजारों और उत्पाद प्रकारों में समान रूप से नहीं फैली है। Del Rey AWM ने कहा कि पिछली व्यापार बाधाओं का अमेरिका, रूस और चीन में आयात पर खास असर पड़ा था, जबकि EU के भीतर व्यापार अधिक स्थिर था। हालांकि मौजूदा वर्ष में, कमजोर मांग के साथ छोटी फसलों और ऊंची कीमतों के जुड़ने से EU के भीतर के प्रवाह भी प्रभावित हुए हैं। यह पेय कंपनियों के लिए, सिर्फ वाइनरी से कहीं आगे तक, मायने रखता है, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी कारोबार वाली अल्कोहल श्रेणियों में से एक में कम आवाजाही लॉजिस्टिक्स मांग, रिटेल शेल्फ प्लानिंग और आयातित पेय पोर्टफोलियो में मूल्य निर्धारण रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है।

स्पार्कलिंग वाइन व्यापक रुझान में अब भी मुख्य अपवाद बनी हुई है। Del Rey AWM ने इस साल की शुरुआत में नोट किया था कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्पार्कलिंग वाइनों की कीमत और स्वाद स्थिति, दोनों दबाव में थीं, लेकिन नवीनतम पहली छमाही के व्यापार आंकड़े दिखाते हैं कि मूल्य के लिहाज से यह श्रेणी अब भी स्टिल वाइन की तुलना में बेहतर टिक रही है। यह उस लंबे रुझान के अनुरूप दिखता है, जिसमें व्यापक बाजार की सुस्ती के बावजूद स्पार्कलिंग वाइन ने वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाई है।

मांग का व्यापक परिदृश्य अब भी अनिश्चित बना हुआ है। Del Rey AWM ने इस वर्ष अलग शोध में यह भी तर्क दिया है कि वैश्विक आय में बढ़ती ध्रुवीकरण प्रवृत्ति वाइन खपत के पैटर्न को आकार दे सकती है, जिसमें बाजार उच्च-मूल्य वाले निच और अधिक मूल्य-संवेदनशील खंडों के बीच और स्पष्ट रूप से बंट रहा है। यह ढांचा समझाता है कि प्रीमियम श्रेणियां अधिक लचीलापन क्यों दिखा सकती हैं, जबकि बल्क और मानक बोतलबंद वाइन पर अधिक दबाव पड़ता है।

फिलहाल, 2026 के पहले छह महीने यह संकेत देते हैं कि दुनिया का वाइन बाजार कीमत के स्तर पर स्थिर हो रहा है, लेकिन मांग के स्तर पर नहीं। उत्पादक कम शिपिंग कर रहे हैं, खरीदार अधिक सतर्क हैं, और सबसे तीव्र दबाव अभी भी बल्क वाइन तथा दक्षिणी गोलार्ध के आपूर्तिकर्ताओं से उत्तरी गोलार्ध के प्रमुख बाजारों तक लंबी दूरी के निर्यात पर निर्भर मार्गों में बना हुआ है।